10 काँटों में राह बनाते हैं

पठन से पूर्व

संसार में दो तरह के लोग होते हैं। एक वीर होते हैं, जो मुसीबतों का सामना वीरतापूर्वक करते हैं, दूसरे कायर होते हैं, जो मुसीबतों से डरकर पीछे हट जाते हैं। वीर बड़ी-से-बड़ी बाधाओं में भी अपना धैर्य नहीं खोते, वे साहस और कठिन परिश्रम के बल पर अपना लक्ष्य प्राप्त कर लेते हैं।

पाठ-परिचय

इस कविता में कवि ने शूरवीरों के गुणों का वर्णन किया है। शूरवीर संकट में विचलित नहीं होते, बल्कि उसका सामना वीरतापूर्वक करते हैं। ऐसे परिश्रमी व साहसी व्यक्ति विपरीत प्ररिस्थितियों में भी अपना रास्ता बना लेते हैं।

चर्चा करें

बच्चों को बताएँ कि जीवन में संकट आते रहते हैं। उनसे पूछें कि लक्ष्य प्राप्ति के मार्ग में बाधाएँ आने पर वे क्या करेंगे, बच्चों को संकट की स्थिति में न घबराने की सलाह दें।

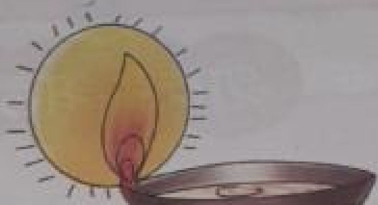

सच है विपत्ति जब आती है
कायर को ही दहलाती है,
सूरमा नहीं विचलित होते,
क्षण एक नहीं धीरज खोते,
विघ्नों को गले लगाते हैं।
काँटों में राह बनाते हैं।।

है कौन विघ्न ऐसा जग में
टिक सके आदमी के मग में,
खम ठोंक ठेलता है जब नर
पर्वत के जाते पाँव उखड़,
मानव जब ज़ोर लगाता है।
पत्थर पानी बन जाता है।।

गुण बड़े एक से एक प्रखर
हैं छिपे मानवों के भीतर,
मेहँदी में जैसी लाली हो।
वर्तिका बीच उजियाली हो,
बत्ती जो नहीं जलाता है।
रोशनी नहीं वह पाता है।।

–रामधारी सिंह 'दिनकर'

मौखिक प्रश्न

1. विपत्ति किसे दहलाती है? कायर
2. मुसीबत में कौन विचलित नहीं होते? सूरमा
3. बाधाएँ किसे प्यारी हैं? वीरों को
4. विपत्ति में कायर क्या खो देते हैं? धीरज
5. कैसे व्यक्ति को रोशनी नहीं मिल सकती? कायर

शब्दार्थ

विपत्ति = मुसीबत, संकट (trouble, calamity)
कायर = डरपोक (timid)
सूरमा = वीर, बहादुर (brave)
विचलित = स्थान से हटना, अस्थिर (moved, deviated)
धीरज = धैर्य (patience)
विघ्न = बाधा (obstacle)
राह = रास्ता, मार्ग (path)
मग = राह (way)
खम ठोंकना = ललकारना, लड़ने के लिए ताल ठोंकना (to challenge)
प्रखर = तेज़ (very sharp)
वर्तिका = दीपक की बत्ती (thread of lamp)
बत्ती = बाती (wick)

शब्द-भंडार

पर्यायवाची शब्द

विपत्ति - संकट, मुसीबत, परेशानी
गुण - खूबी, विशेषता
कायर - डरपोक, बुज़दिल
वीर - सूरमा, बहादुर
पाँव - पैर, पाद, चरण
काँटा - शूल, कंटक

विलोम शब्द

कायर × वीर
भीतर × बाहर
मानव × दानव
सच × झूठ
काँटा × फूल
गुण × अवगुण, दोष

2. **प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाइए।**

(क) काँटों में राह कौन बनाते हैं?

(i) कायर ◯ (ii) वीर ✓ (iii) जानवर ◯

(ख) कायर क्या देखकर घबराता है?

(i) संपत्ति ◯ (ii) विपत्ति ✓ (iii) धन ◯

(ग) विघ्नों को कौन गले लगाते हैं?

(i) सूरमा ✓ (ii) कायर ◯ (iii) दोनों ◯

(घ) 'काँटों में राह बनाते हैं' कविता के कवि कौन हैं?

(i) द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी ◯ (ii) रामधारी सिंह 'दिनकर' ✓

(iii) माखन लाल चतुर्वेदी ◯

3. **कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए।**

सच है विपत्ति जब आती है।
कायर को ही दहलाती है।
सूरमा नहीं विचलित होते
क्षण एक नहीं धीरज खोते,
विघ्नों को गले लगाते हैं।
काँटों में राह बनाते हैं।।

Vocabulary

शब्द-कौशल

1. **दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।**

वीर - सूरमा बहादुर
नर - मानव मनुष्य
पानी - जल नीर
जग - संसार जगत
पर्वत - पहाड़ गिरि
कायर - डरपोक बुजदिल

2. **विलोम शब्द लिखिए।**

कायर × वीर
विपत्ति × हल
उजाला × अँधेरा
गुण × अवगुण

Rajshree
PAGE NO.:
DATE:

पाठ 10 कविता

काँटों में राह बनाते हैं

मौखिक प्रश्न

1 विपत्ति किसे दहलाती है ?

उत्तर विपत्ति कायरों को दहलाती है।

2 मुसीबत में कौन विचलित नहीं होते ?

उत्तर मुसीबत में सूरमा विचलित नहीं होते।

3 बाधाएं किसे प्यारी हैं ?

उत्तर बाधाएँ वीरों को प्यारी हैं।

4 विपत्ति मे कायर क्या खो देते हैं ?

उत्तर विपत्ति में कायर धीरज खो देते हैं।

5 कैसे व्यक्ति को रोशनी नहीं मिल सकती ?

उत्तर कायर व्यक्ति को रोशनी नहीं मिल सकती

लिखित प्रश्न

प्रश्न1 वीर मुसीबतों का सामना किस प्रकार करते हैं ?

उत्तर वीर मुसीबतों का सामना वीरतापूर्वक करते हैं।

Rajshree
PAGE NO.:
DATE:

प्रश्न 2 वीर और कायर के स्वभाव में क्या अंतर है

उत्तर वीर अपना धैर्य नहीं खोते हैं, वे साहस और कठिन परिश्रम से अपना लक्ष्य प्राप्त कर लेते हैं और कायर मुसीबतों से डरकर पीछे हट जाते हैं।

प्रश्न 3 पत्थर पानी कैसे बन जाता है?

उत्तर मानव जब जोर लगाता है तो पत्थर पानी बन जाता है। अर्थात् साहसी व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य नहीं खोता और कठिनाइयों का सामना करते हुए निरंतर आगे बढ़ जाता है।

प्रश्न 4 मानव के भीतर किस प्रकार के गुण छिपे रहते हैं?

उत्तर मेंहदी मे जैसी लाली और दीपक में उजियाला वैसे ही मानव के भीतर अनेक गुण छिपे रहते हैं।

प्रश्न 5 "बत्ती जो नहीं जलाता है रोशनी नहीं वह पाता है।" पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर बत्ती जो नहीं जलाता है, रोशनी नहीं वह पाता है अर्थात जो मेहनत नहीं करता वह जीवन में सफल नहीं हो पाता है।